॥ सूर्याष्टोत्तरशतनामाविलः (महाभारतान्तर्गता)॥

| सूर्याय नमः | | अङ्गारकाय नमः | |
|---------------|----|-------------------|----|
| अर्यमणे नमः | | इन्द्राय नमः | |
| भगाय नमः | | विवस्वते नमः | |
| त्वष्ट्रे नमः | | दीप्तांशवे नमः | |
| पूषणे नमः | | शुचये नमः | |
| अर्काय नमः | | शौरये नमः | ३० |
| सवित्रे नमः | | शनैश्चराय नमः | |
| रवये नमः | | ब्रह्मणे नमः | |
| गभस्तिमते नमः | | विष्णवे नमः | |
| अजाय नमः | १० | रुद्राय नमः | |
| कालाय नमः | | स्कन्दाय नमः | |
| मृत्यवे नमः | | वरुणाय नमः | |
| धात्रे नमः | | यमाय नमः | |
| प्रभाकराय नमः | | वैद्युताग्नये नमः | |
| पृथिव्ये नमः | | जाठरश्चाय्यये नमः | |
| अन्द्यो नमः | | ऐन्धनग्नये नमः | 80 |
| तेजसे नमः | | तेजसां पतये नमः | |
| खाय नमः | | धर्मध्वजाय नमः | |
| वायवे नमः | | वेदकर्त्रे नमः | |
| परायणाय नमः | २० | वेदाङ्गाय नमः | |
| सोमाय नमः | | वेदवाहनाय नमः | |
| बृहस्पतये नमः | | कृताय नमः | |
| शुकाय नमः | | त्रेतायै नमः | |
| बुधाय नमः | | द्वापराय नमः | |
| | | İ | |

| सर्वमलाश्रयाय कलये नमः | | संवर्तकाय नमः | |
|---------------------------|----|-------------------------|-----|
| कलाकाष्ठामुहूर्तेभ्यो नमः | ५० | वह्रये नमः | |
| क्षपायै नमः | | सर्वस्याद्ये नमः | |
| यामाय नमः | | अलोलुपाय नमः | |
| क्षणाय नमः | | अनन्ताय नमः | |
| संवत्सरकराय नमः | | कपिलाय नमः | ८० |
| अश्वत्थाय नमः | | भानवे नमः | |
| कालचक्राय विभावसवे नमः | | कामदाय नमः | |
| शाश्वताय पुरुषाय नमः | | सर्वतोमुखाय नमः | |
| योगिने नमः | | जयाय नमः | |
| व्यक्ताव्यक्ताय नमः | | विशालाय नमः | |
| सनातनाय नमः | ६० | वरदाय नमः | |
| कालाध्यक्षाय नमः | | सर्वधातुनिषेचित्रे नमः | |
| प्रजाध्यक्षाय नमः | | मनः सुपर्णाय नमः | |
| विश्वकर्मणे नमः | | भूतादये नमः | |
| तमोनुदाय नमः | | शीघ्रगाय नमः | ९० |
| वरुणाय नमः | | प्राणधारकाय नमः | |
| सागराय नमः | | धन्वतरये नमः | |
| अम्शवे नमः | | धूमकेतवे नमः | |
| जीमूताय नमः | | आदिदेवाय नमः | |
| जीवनाय नमः | | अदितेः सुताय नमः | |
| अरिघ्ने नमः | ०० | द्वादशात्मने नमः | |
| भूताश्रयाय नमः | | अरविन्दाक्षाय नमः | |
| भूतपतये नमः | | पितृमातृपितामहेभ्यो नमः | |
| सर्वलोकनमस्कृताय नमः | | स्वर्गद्वाराय नमः | |
| स्रष्ट्रे नमः | | प्रजाद्वाराय नमः | १०० |

मोक्षद्वाराय नमः विश्वतोमुखाय नमः त्रिविष्टपाय नमः चराचरात्मने नमः देहकर्त्रे नमः सूक्ष्मात्मने नमः प्रशान्तात्मने नमः मैत्रेयाय नमः

विश्वात्मने नमः करुणान्विताय नमः ११०

॥ इति श्रीमन्महाभारते वनपर्वणि धौम्ययुधिष्ठिरसंवादे श्री-सूर्याष्टोत्तरशतनामावितः सम्पूर्णा॥

This stotra can be accessed in multiple scripts at:

http:

 $//s totrasamhita.net/wiki/Surya_Mahabharatam_Ashtottara_Shatanamavali.$

Begin generated on October 13, 2024

Downloaded from http://stotrasamhita.github.io StotraSamhita Credits